ट्रंप को संवैधानिक रूप से हटाने की प्रक्रिया शुरू करेंगी नैंसी पेलोसी

अमेरिका चुनाव

शानदार सफलता पर देशवासियों ने जमकर जश्न मनाया

पेलोसी ने जोर देकर कहा कि ट्रंप एक बदली हुई स्थिति में है, 3 नवंबर को चुनाव होने है

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

न्यूयॉर्क। कोरोना वायरस से संक्रमित हो चुके अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ अपने टकराव को और आगे ले जाते हुए हाउस स्पीकर नैन्सी पेलोसी ने घोषणा की है कि वह एक पैनल बनाने के लिए एक बिल पेश करेंगी। यह पैनल राष्ट्रपति के रूप में पारी जारी रखने की डोनाल्ड ट्रंप की क्षमता का आकलन करेगा। पेलोसी ने जोर देकर कहा कि ट्रंप एक बदली हुई स्थिति में हैं। देश में 3 नवंबर को चुनाव होने हैं।

ट्रंप के कोविड–19 राहत पैकेज पर बातचीत रद्द करने और बाद में आंशिक डील का संकेत देने के फैसले का हवाला देते हुए स्पीकर ने ब्लूमबर्ग न्यूज से कहा, 'मुझे नहीं पता कि मैं इस व्यवहार पर कैसे प्रतिक्रिया दूं।' डेमोक्रेटिक पार्टी की

स्पीकर ने कहा, 'ऐसे लोग हैं जो कहते हैं कि जब आप स्टेरॉयड पर होते हैं या कोविड–19 से संक्रमित होते हैं, तो निर्णय को लेकर कुछ हानि हो सकती है।' राष्ट्रपति को पद से हटाने के लिए संवैधानिक प्रावधान के लिए आह्वान करते हुए स्पीकर और साथी–डेमोक्रेट सांसद जेमी रस्किन ने कहा कि वे ट्रंप की क्षमता के आकलन के लिए कमीशन के गठन के लिए शुक्रवार को बिल पेश करेंगे। यह कदम काफी हद तक प्रतीकात्मक होने की उम्मीद है क्योंकि ट्रंप को हटाने के लिए एक संवैधानिक तख्तापलट की कोशिश में डेमोक्रेटिक बहुल वाले प्रतिनिधि सभा द्वारा पास प्रस्ताव को रिपब्लिकन–नियंत्रित वाले सीनेट से मंजूरी मिलने की संभावना नहीं है।

वहीं, ट्रंप ने पलटवार करते हुए एक ट्वीट में कहा, 'सनकी नैन्सी वह महिला है जिसे अवलोकन के तहत होना चाहिए।' बाद में जब ट्रंप को लेकर बदली हुई स्थिति होने के बारे में पेलोसी के दावे के बारे में पूछा गया, तो वाइट हाउस की रणनीतिक संचार निदेशक एलिसा फराह ने पत्रकारों से कहा, 'बिल्कुल नहीं। राष्ट्रपति मजबूत हैं। वह काम कर रहे हैं। वह कभी नहीं रुके।'

ट्रंप के निजी चिकित्सक ने गुरुवार शाम को एक ज्ञापन जारी किया जिसमें कहा गया था कि वह स्थिर हैं और शनिवार को सार्वजनिक गतिविधि में शामिल हो सकते हैं।

न्यूज डायरी

अमेरिका में आकाश से हुई मरे पक्षियों की बारिश, सहमे लोग

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

अमेरिका। अमेरिका के फिलाडेल्फिया शहर में 72 साल बाद हुई एक घटना से स्थानीय लोग दहशत में आ गए। फिलाडेल्फिया शहर में 1500 से ज्यादा प्रवासी पक्षी दो अक्टूबर को अचानक से गिरने लगे। बाद में इनमें से ज्यादातर की मौत हो गई। ये पक्षी सर्दियों के मौसम से पहले दक्षिण की ओर जा रहे थे। बताया जा रहा है कि इस तरह की घटना इससे पहले वर्ष 1948 में हुई थी। पक्षियों के अचानक मरने से लोग दहशत में हैं। फिलाडेल्फिया में वन्यजीवों के लिए काम करने वाले कार्यकर्ता स्टीफन मैसिजेवस्की ने इस बारे में कहा, श्कई पक्षी आकाश से गिर रहे थे, हम नहीं जानते है कि क्या हो रहा है। यह निश्चित रूप से विनाशकारी घटना है। इससे पहले इस तरह की घटना वर्ष 1948 में हुई थी।श स्टीफन ने बताया कि दो अक्टूबर को सुबह 5 बजे से 8 बजे के बीच में उन्होंने 400 पक्षियों को इक्ट्ठा किया था।

सात महीने के अंतराल के बाद संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में हुई सुरक्षा परिषद की बैठक

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) संयुक्त राष्ट्र। न्यूयॉर्क में मार्च में कोविड–19 का प्रकोप शुरू होने के बाद संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की पहली बैठक बृहस्पतिवार को यहां स्थित मुख्यालय में हुई। इसमें शामिल लोगों ने मास्क पहन रखे थे तथा बैठक स्थल कांच से विभाजन किया हुआ था, इस सब के बीच अमेरिकी राजदूत कैली क्राफ्ट ने कहा कि ''घर पर होने से कितना अच्छा महसूस होता है''। माली में तख्ता पलट के बाद के हालात पर हुई परिषद की बैठक के बाद क्राफ्ट ने कहा, ''हम सभी सामाजिक दूरी के नियम का पालन कर रहे हैं, फिर भी एकसाथ आकर हम बहुत खुश हैं।'' संयुक्त राष्ट्र में जर्मनी के राजदूत क्रिस्टोफ हसजेन ने कहा, ''शानदार, सुरक्षा परिषद घर लौट आई और यहां होना बहुत बढ़िया है।'' वह जुलाई से ही परिषद में व्यक्तिगत बैठकें करने पर जोर देते रहे हैं। महामारी के कारण कई व्यवसायों तथा संगठनों की तरह ही परिषद की बैठकें भी कई महीनों से ऑनलाइन ही आयोजित हो रही थीं। हालांकि अब व्यक्तिगत उपस्थिति की बैठकों का दबाव बनने लगा था।

ट्रंप के डॉक्टर का ऐलान, शनिवार से जनता के बीच जा सकेंगे अमेरिकी राष्ट्रपति

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के डॉक्टर शीन कोनले ने कहा है कि शनिवार से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जनता के बीच लौट सकेंगे। डॉक्टर कोनले ने यह ऐलान ऐसे समय पर किया है जब एक सप्ताह पहले ही ट्रंप कोरोना वायरस पॉजिटिव पाए गए थे। उन्होंने राष्ट्रपति ट्रंप के कोरोना पॉजिटिव होने के बाद पहली बार उनके सभी महत्वपूर्ण संकेतकों को जारी किया। डॉक्टर कोनले ने कहा कि ट्रंप की पल्स, ब्लड प्रेशर और खून में ऑक्सीजन का लेवल सभी सामान्य हैं। ट्रंप ने कहा कि वह शनिवार को फ्लोरिडा में एक रैली को संबोधित करेंगे। साथ ही रविवार को एक और रैली कर सकते हैं। शनिवार को ट्रंप के कोरोना पॉजिटिव होने के 9 दिन पूरे हो जाएंगे। ट्रंप ऐसे समय पर रैली करने जा रहे हैं जब ज्यादातर वैज्ञानिकों का कहना है कि कोरोना के लक्षण आने के बाद अगले 10 दिनों तक इसका असर बना रहता है।

कोरोना के टीके संबंधी गठबंधन कोवैक्स में चीन के शामिल होने से अमेरिका चिढ़ा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) बीजिंग। चीन कोरोना के टीके संबंधी गठबंधन श्कोवैक्सश शामिल हो गया है। इससे उन अटकलों पर विराम लग गया है, जिसमें माना जा रहा था कि वह राजनयिक एजेंडे के तहत वह विकासशील देशों को वैक्सीन की आपूर्ति खुद करेगा। बता दें कि इस गठबंधन को इसलिए बनाया गया है, ताकि अमीर देश संभावित टीका खरीदने पर सहमत हों और गरीब देशों तक इसे मुहैया कराने में मदद करें। अमेरिका ने इस गठबंधन में शामिल होने से इन्कार कर दिया है। चीन के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता हुआ चुनइंग ने एक बयान में कहा कि गावी के साथ समझौते पर बीजिंग ने शुक्रवार को हस्ताक्षर किए। प्रवक्ता ने कहा, हम खासकर विकासशील देशों को टीकों का समान वितरण सुनिश्चित करने के लिए ठोस कदम उठा रहे हैं।

भारत–रूस की दशकों पुरानी अटूट दोस्ती ने वैश्विक कहावत को गलत साबित किया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

मास्को। रूस ने भारत के दशकों पुरानी अटूट दोस्ती की जमकर प्रशंसा की है। रूसी विदेश मंत्रालय ने कहा कि ऐसा कहा जाता है कि किसी भी देश का कोई स्थायी मित्र या शत्रु नहीं होता है, अगर कोई चीज महत्वपूर्ण है तो वह है हित। रूस और भारत की दोस्ती इस मान्यता को खारिज करती है। दोनों देशों के बीच यह दशकों पुरानी दोस्ती एक विशिष्ट उदाहरण पेश करती है जो समानता पर आधारित है।

रूसी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता ने मारिया जखरोवा ने कहा कि 3 अक्टूबर का दिन भारत और रूस के संबंधों में एक महत्वपूर्ण घटना है। 20 साल पहले तीन अक्टूबर के दिन ही भारत–रूस रणनीतिक भागीदारी पर हस्ताक्षर हुए थे।

दुनिया में से सबसे पहले हुए भागीदारी में से एक भारत–रूस पार्टनरशिप आधुनिक कूटनीति के शब्दकोश का हिस्सा बन गया है। बता दें कि रूस कोरोना वायरस वैक्सीन से लेकर आधुनिक हथियारों की खेप देने में भारत की मदद कर रहा है। कोरोना वायरस से निपटने के लिए भारत जहां पर"चनजदपा ट को खरीदने के प्रयास कर रहा है, वहीं चीन संकट को देखते हुए रूस से सुखोई–30 एमकेआई और मिग–29 जैसे फाइटर जेट भी खरीद रहा है। भारत और रूस ने एके–203 रायफल भारत में बनाने के लिये एक बड़े समझौते को अंतिम रूप दे दिया था।

अमेरिका ने भारत के पास भेजे परमाणु मिसाइलों से लैस हथियार

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) अमेरिका। हिंद–प्रशांत क्षेत्र में चीन के बढ़ते दुस्साहस पर लगाम लगाने के लिए अमेरिका ने कमर कस ली है। अमेरिका ने चीन नौसेना की बढ़ती चुनौती से निपटने के लिए हिंद महासागर में अपने दो सबसे घातक हथियार भेजे हैं। ये अमेरिकी हथियार इतने विनाशक हैं कि किसी भी देश को पलक झपकते ही तबाह कर सकते हैं। इन अमेरिकी हथियारों का नाम है–ओहियो क्लास की क्रूज मिसाइल सबमरीन यूएसएस जॉर्जिया और एयरक्राफ्ट कैरियर यूएसएस रोनाल्ड रीगन। ये दोनों ही इन दिनों हिंद महासागर में मौजूद हैं। अमेरिका की फोर्ब्स पत्रिका में रक्षा मामलों के विशेषज्ञ एचआई सटन ने सैटलाइट तस्वीरों के आधार पर खुलासा किया कि अमेरिकी नौसेना की सबसे घातक पनडुब्बियों में से एक यूएसएस जार्जिया हिंद महासागर में स्थित यूएस नेवल बेस डियागो गार्सिया में 4 दिनों तक रही।

पीओके की जेल में 9 साल से बंद हैं राजनीतिक कार्यकर्ता

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

हुंजा। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के गिलगित–बाल्टिस्तान इलाके में गुरुवार को एक बार फिर से जोरदार प्रदर्शन हुआ। हुंजा इलाके में हजारों की तादाद में स्थानीय लोगों ने वर्ष 2011 से जेल में बंद राजनीतिक कार्यकर्ताओं को रिहा करने की मांग की। इन राजनीतिक कार्यकर्ताओं को दंगे करने और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के आरोप में अरेस्ट किया गया था।

अवामी वर्कर्स पार्टी के नेता बाबा जान समेत कई राजनीतिक कार्यकर्ताओं को एक आतंकवाद निरोधक अदालत ने कई

लोगों ने जेल में बंद कार्यकर्ताओं को रिहा करने की मांग की

आजीवन कारावास की सजा दी है। इन लोगों को पुलिस की गोलीबारी में एक व्यक्ति और उसके बच्चे की मौत के बाद प्रदर्शन करने के आरोप में अरेस्ट किया गया था। प्रदर्शनकारी सरकार से पुलिस गोलीबारी के लिए मुआवजे की मांग कर रहे थे।

बाबा जान समेत 14 कार्यकर्ता अभी भी जेल में बंद: दरअसल, हुंजा नदी में बाढ़ आ जाने की वजह से स्थानीय लोगों को काफी नुकसान हुआ था और वे मुआवजे की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे थे।

इसी बीच पुलिस ने गोली चला दी और एक व्यक्ति तथा उसके बच्चे की मौत हो गई। ये दोनों लोग गोजल घाटी के रहने वाले थे। इस हत्याकांड के बाद इलाके में जोरदार प्रदर्शन भड़क उठे थे। प्रदर्शनों को रोकने के लिए पुलिस ने बाबा जान और इलाके के कई अन्य लोगों को पुलिस ने अरेस्ट कर लिया था।

पीओके की पुलिस ने जहां ज्यादातर लोगों को रिहा कर दिया है, वहीं 14 कार्यकर्ता अभी भी जेल में बंद हैं। उनके समर्थकों का कहना है कि इन लोगों को कई आजीवन कारावास दिए गए हैं। सभी आरोपियों ने अपने ऊपर लगाए गए आरोपों का खंडन किया है और आरोप लगाया है कि यह उनकी आवाज को दबाने के लिए किया गया है।

इस्लामिक चरमपंथियों ने माली के एक नेता और तीन यूरोपीय बंधकों को किया रिहा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) बामाको। अल–कायदा से जुड़े इस्लामिक चरमपंथियों ने माली के एक प्रमुख नेता और तीन यूरोपीय बंधकों को रिहा कर दिया है, जिन्हें अब विमान से राजधानी लाया जा रहा है। माली सरकार ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। नेता सौमालिया सिसे और फ्रांसीसी सहायताकर्मी सोफी पेट्रोइन के रिश्तेदारों को मंगलवार को उनकी रिहाई के बारे में सूचित किया गया था, जबकि दो इतालवी बंधकों की रिहाई की खबर उनके विमान में सवार होने के बाद माली सरकार ने एक बयान में दी। इतालवी बिशप सम्मेलन के अखबार 'एवेनेरे' के अनुसार द रेव. पेरलुगी मकाली 'अफ्रीकन मिशनरी सोसाइटी' से रोमन कैथोलिक मिशनरी में पादरी हैं, जिन्हें सितम्बर 2018 में अगवा किया गया था। वहीं निकोला सिक्को को फरवरी 2018 में अगवा किया गया। ऐसा माना जाता है कि दोनों को संभवतरू एक ही संगठन ने अगवा किया था। राष्ट्रपति के प्रवक्ता एडम थियम ने बताया कि इन सभी को लेकर विमान स्थानीय समयानुसार बृहस्पतिवार देर शाम सात बजे से थोड़ी देर पहले रवाना हुआ और उसके करीब ढाई घंटे बाद पहुंचने का अनुमान था।